मानव संसाधन विकास मंत्रालय
उच्चतर शिक्षा विभाग

अक्टूबर, 2020 के लिए मंत्रिमंडल हेतु मासिक सार:

क. महत्वपूर्ण घटनाएँ:

1. **माननीय प्रधान मंत्री जी का संभाषण**: मैसूर विश्वविद्यालय के शताब्दी दीक्षांत समारोह के दौरान 19 अक्टूबर 2020 को अपने वर्चुअल संबोधन में, माननीय प्रधान मंत्री जी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि पिछले कुछ वर्षों के दौरान, उच्चतर शिक्षा में बुनियादी ढाँचे के विकास और संरचनात्मक सुधार पर बहुत ध्यान दिया गया है। उन्होंने देश के शिक्षा सेटअप में बुनियादी बदलाव लाने के लिए एक बड़ी पहल के रूप में राष्ट्रीय शिक्षा नीति की सराहना की।

2. **आईआईटी में दाखिला:** आईआईटी यूजी और एकीकृत पीजी कार्यक्रम में दाखिले के लिए, कुल 43204 अभ्यर्थियों ने जेईई (एडवांस्ड) 2020 में क्वालीफाई किया है। कुल योग्य उम्मीदवारों में से 6707 महिलाएं हैं। ऑनलाइन काउंसलिंग के माध्यम से प्रवेश जारी है, जो 8 नवंबर तक चलेगा।

3. **बोधि ट्री: प्रयोगशाला मैनुअल सहित इंटरैक्टिव मल्टीमीडिया पुस्तकें उपलब्ध कराने के लिए आईआईटी बॉम्बे द्वारा विकसित एक ऑनलाइन शिक्षण मंच**

   भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी)-बॉम्बे द्वारा विकसित ऑनलाइन शिक्षण मंच अब देश के सभी स्कूलों और कॉलेजों के शिक्षकों के लिए उपलब्ध है। बोधि ट्री एक मल्टीमीडिया प्लेटफ़ॉर्म डिज़ाइन है जिसका उपयोग कक्षा शिक्षण की तरह किया जा सकता है। अधिकांश उपकरण जैसे व्यापक ओपन ऑनलाइन पाठ्यक्रम (एमओओसी) छात्रों की सहायता के लिए डिज़ाइन किए गए हैं, बोधि-ट्री का निर्माण इस लक्ष्य के साथ किया गया है ताकि शिक्षकों को उनके अनुदेशों में सहायता दी जा सके ।

यह मंच प्रयोगशाला मैनुअल सहित इंटरैक्टिव मल्टीमीडिया पुस्तकें उपलब्ध कराता है। ये पुस्तकें- जिन्हें बोधिबुक कहा जाता है - आईआईटी-बॉम्बे के संकाय द्वारा तैयार की जाती हैं और यह इंटरेक्टिव वीडियो, ऑटो-ग्रेडेड प्रैक्टिस शीट और ऑटो या मैनुअल ग्रेडेड लैब एक्सरसाइज के रूप में हो सकती हैं। इन पुस्तकों को छात्रों द्वारा स्मार्टफोन ऐप के साथ-साथ वेब-ब्राउज़र के माध्यम से एक्सेस किया जा सकता है।

शिक्षकों को उनके शिक्षण की चुनौती और एकीकृत प्रौद्योगिकी को अनुकूल बनाने में मदद करने के लिए, आईआईटी-बॉम्बे ने इसे सभी के लिए उपलब्ध कराया है।

इस प्लेटफ़ॉर्म को अपनाकर, शिक्षक अपनी सामग्री तैयार करने, छात्रों को दाखिला देने, शेड्यूल लागू करने, छात्रों की प्रगति की निगरानी करने, छात्रों के साथ अंक साझा करने और साहित्यिक चोरी की जाँच करने जैसे कई कार्यों का प्रबंधन कर सकते हैं। शिक्षकगण अधिगम प्रबंधन प्रणाली (एलएमएस) सुविधाओं के समृद्ध सेट के साथ बोधिबुक का उपयोग कर सकते हैं।

4. **फिक्की एफएलओ (फिक्की की महिला विंग) हैदराबाद, आईआईआईटी-हैदराबाद, महिला उद्यमियों का समर्थन करने के लिए इनक्यूबेटर स्थापित करने हेतु भागीदार**

फिक्की एफएलओ हैदराबाद ने महिला उद्यमियों और महिलाओं के नेतृत्व वाले स्टार्ट-अप को सशक्त बनाने के लिए सीआई आईआईआईटीएच में एफएलओ इनक्यूबेटर स्थापित करने के लिए सेंटर फॉर इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप (सीआईई) आईआईआईटी-एच के साथ भागीदारी की है।

एफएलओ इनक्यूबेटर @ सीआईई का लक्ष्य है कि एक महीने तक चलने के लिए प्रत्येक संरचित कोहॉर्ट सहित 20+ महिला उद्यमियों को सुविधा प्रदान किया जाए। इनक्यूबेटर में फिक्की एफएलओ हैदराबाद और सीआईई, आईआईआईटी हैदराबाद दोनों के सदस्य शामिल हैं।

5. **माननीय शिक्षा मंत्री का आसियान पीएचडी फैलोशिप कार्यक्रम के प्रथम बैच के छात्रों को सम्बोधन**

केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने वर्चुअल रुप में आसियान सदस्य देशों के छात्रों को संबोधित किया, जिन्हें भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित प्रतिष्ठित आसियान पीएचडी फैलोशिप प्रोग्राम (एपीएफपी) के लिए चुना गया है और उन्हें देश के प्रमुख तकनीकी संस्थान, आईआईटी में उनके चयन पर बधाई दी ।

एपीएफपी विदेशी लाभार्थियों के लिए भारत सरकार द्वारा शुरु किया गया सबसे बड़ा क्षमता विकास कार्यक्रम है। एपीएफपी के तहत, 1000 फेलोशिप आसियान नागरिकों को खास तौर पर प्रदान की जाएगी।

आसियान पीएचडी फैलोशिप कार्यक्रम की घोषणा 25 जनवरी 2018 को भारत के गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर, सभी दस आसियान सदस्य देशों के नेताओं की उपस्थिति में भारत के माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा की गई थी।

ख. प्रमुख निर्णय:

1. **आईआईटी राष्ट्रीय सुपरकंप्यूटिंग मिशन के तहत सुपरकंप्यूटिंग सुविधाएं स्थापित करने के लिए सी-डैक के साथ मिल कर कार्य कर रहा है।**

आईआईटी मंडी, आईआईटी गुवाहाटी और आईआईटी गांधीनगर ने राष्ट्रीय सुपरकंप्यूटिंग मिशन के तहत अपने संबंधित परिसरों में सुपरकंप्यूटिंग सुविधाओं की स्थापना के लिए सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ एडवांस्ड कंप्यूटिंग (सी-डैक) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया। 12 अक्टूबर, 2020 को तीनों संस्थानों के निदेशकों द्वारा समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

यह सुपर कंप्यूटर वैज्ञानिक और इंजीनियरिंग अनुप्रयोगों जैसे क्वांटम यांत्रिकी, जलवायु अनुसंधान, तेल और गैस की खोज, आणविक मॉडलिंग, मौसम पूर्वानुमान, अंतरिक्ष यान एरोडायनामिक्स, कम्प्यूटेशनल सिस्टम बायोलॉजी और हैंडलिंग आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मॉडल का उपयोग करते हुए वृहत डेटाबेस की देख रेख सहित डेटोनेसंश सिमुलेशन के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। ।

2. **जेईई मेन्स अगले वर्ष से और अधिक क्षेत्रीय भाषाओं में आयोजित किए जाएंगे**

एनईपी 2020 के विजन के अनुसार, जेईई (मुख्य) के संयुक्त प्रवेश बोर्ड (जेएबी) ने भारत की और अधिक क्षेत्रीय भाषाओं में जेईई (मुख्य) परीक्षा आयोजित करने का निर्णय लिया है।

यह परीक्षा क्षेत्रीय भाषाओं में भी आयोजित की जाएगी, जहाँ राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेजों में दाखिला का निर्णय एक परीक्षा (क्षेत्रीय भाषा में आयोजित) के आधार पर किया जाता है। ऐसे राज्यों की राज्य भाषा को भी इसके तहत शामिल किया जाएगा जो जेईई (मुख्य) के आधार पर छात्रों को दाखिला देते है।